अंक-26
नवम्बर
2022

शिक्षा के गोठ

मासिक ई-न्यूज़लेटर

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल-मेधावी बच्चों ने किया हेलीकॉप्टर में सैर

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप प्रदेश में पहली बार कक्षा 10वीं और 12वीं के मेधावी बच्चों को अनूठे अंदाज में सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2022 की वार्षिक परीक्षा में कक्षा 10वीं और 12वीं के 125 छात्र-छात्राओं ने प्रावीण्य सूची में जगह बनाई है। इनमें कक्षा 10वीं के 90 और कक्षा 12वीं के 35 छात्र शामिल है। इन सभी को हेलीकॉप्टर से सैर कराई गई। मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल करने 8 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से अन मेधावी विद्यार्थियों को हेलीकॉप्टर से आनंदमयी यात्रा (जायराइड) कराने का निर्णय लिया गया। हेलीकॉप्टर में 7 सीटें होने के कारण एक बार में 7 विद्यार्थी ही सैर कर पाये। मेधावी 125 विद्यार्थियों को सैर कराने के लिए हेलीकॉप्टर 18 बार उड़ान भरा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावकों से हस्ताक्षर युक्त सहमति पत्र मांगा है। माध्यमिक शिक्षा मंडल के सचिव प्रोफेसर वी.के. गोयल ने बताया । कि 119 विद्यार्थियों के अभिभावकों से सहमति पत्र प्राप्त होने के पश्चात सभी विद्यार्थियों को हेलीकॉप्टर की सैर कराई गयी। उल्लेखनीय है कि 6 मई को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के रघुनाथनगर में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल की छात्रा स्मृति ने मुख्यमंत्री से पूछा था कि मैं कब हेलीकॉप्टर में बैठूंगी। मुख्यमंत्री ने इस पर कहा था कि जब तुम 12वीं कक्षा में टॉप करोगी, तब तुमकों हेलीकॉप्टर में बैठाएंगे। उस समय स्मृति जिद पर अड़ गई कि उसे ही हेलीकॉप्टर में बैठना है। मुख्यमंत्री ने उसकी जिद को पूरी करते हुए न सिर्फ उसे, बल्कि और भी बहुत से विद्यार्थियों को हेलीकॉप्टर की सैर कराई थी। मुख्यमंत्री ने 5 मई को घोषणा की थी कि इस बार कक्षा 10वीं और 12वीं के टॉपरों को हेलीकॉप्टर की सैर कराएंगे।

शिक्षामंत्री डॉ. टेकाम ने किया नगरी के स्वामी आत्मानंद स्कूल और कमार छात्रावास का निरीक्षण

आदिम जाति, अनुसूचित जाति, जनजाति विकास, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने धमतरी जिले के विकासखंड मुख्यालय नगरी में नवनिर्मित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालय और विशेष पिछड़ी जनजाति कमार आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूली छात्र-छात्राओं से सहज अंदाज में रू- ब-रू होकर उनसे रोचक सवाल भी पूछे। डॉ. टेकाम नगरी के फॉरेस्ट आफिस मार्ग पर श्रृंगि ऋषि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में नवनिर्मित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंन्दी माध्यम विद्यालय भवन का निरीक्षण एवं अवलोकन करने पहुंचे। इस दौरान कलेक्टर श्री पी.एस.एल्मा ने उन्हें स्कूल के विषयवार क्लास रूम, प्रयोगशाला, स्टाफ कक्ष, खेल प्रांगण, शेड आदि का अवलोकन कराया। शिक्षा मंत्री ने गुणवत्तापूर्वक तैयार किए स्कूल भवन की सराहना की तथा कलेक्टर को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा जिस मंशा से इस योजना को संचालित किया जा रहा है, उसका लाभ आदिवासी क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिले और उन्हें अपना भविष्य संवारने की ओर अग्रसर हो सकें।

मंत्री डॉ. टेकाम इसके बाद 250 सीटर अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास पहुंचे, जहां पर वर्तमान शिक्षा सत्र में स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेशित विद्यार्थियों की कक्षाएं संचालित की जा रही थीं। उन्होंने कक्षा नवमीं के क्लासरूम में जाकर विद्यार्थियों से परिचय प्राप्त करते हुए उनसे सहज सवाल किए। उनके द्वारा मौजूदा स्कूल की फीस के बारे में पूछे जाने पर छात्रा कु. यामिनी मरकाम ने बताया कि स्वामी आत्मानंद स्कूल में फीस नहीं ली जाती। मंत्री के पूछने पर छात्रा कु. लुकिता साहू ने बताया कि देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू हैं। इसी तरह छात्रा कु. रीमा साहू ने बताया कि 'अरपा पैरी के धार' गीत के रचयिता डॉ. नरेंद्रदेव वर्मा हैं। सभी प्रश्नों के सही जवाब सुनकर शिक्षा मंत्री ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बच्चों को अपने हाथों से पेन और चॉकलेट वितरित किए। इसके पश्चात् वे कक्षा पहली एवं दूसरी के विद्यार्थियों के बीच जाकर नौनिहाल बच्चों से उनका परिचय पूछा, जहां विद्यार्थियों ने बेबाकी से उत्तर दिया। इसके उपरांत उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति कमार विद्यार्थियों के लिए संचालित आवासीय विद्यालय का अवलोकन एवं निरीक्षण किया। मंत्री डॉ. टेकाम ने इस दौरान विद्यार्थियों के अध्ययन एवं शयन कक्ष और रसोई कक्ष का सघन मुआयना करते हुए भोजन और बिस्तर की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए छात्रावास अधीक्षक को निर्देशित किया। इस दौरान सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया कि छात्रावास में 76 कमार बच्चे अध्ययनरत हैं तथा यहां पूर्णत: आवासीय सुविधायुक्त है। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सदस्य द्वय श्री मनोज साक्षी, श्रीमती मीना बंजारे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री ब्रजेश बाजपेयी सहित ब्लॉक स्तर के अधिकारीगण उपस्थित थे।

देश के आकांक्षी जिलों में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का बेहतर परफॉर्मेंस - नीति आयोग

भारत सरकार के नीति आयोग की ओर से आकांक्षी जिलों को लेकर रिपोर्ट जारी की जाती है। इसी कड़ी में अगस्त 2022 के लिए जारी की गयी चौम्पियन ऑफ चेंज डेल्टा रैंकिंग में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले का परफॉर्मेंस बेहतर रहा है। देश में घोषित 112 आकांक्षी जिलों में से ओवरऑल परफॉर्मेंस श्रेणी में शीर्ष पांच जिलों में छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिलों में शामिल नारायणपुर जिला पांचवें स्थान पर है। वहीं स्वास्थ्य और पोषण श्रेणी में नारायणपुर जिले का स्थान दूसरा है। इसी तरह शिक्षा श्रेणी के आधार पर जारी मासिक डेल्टा रैंकिंग में नारायणपुर जिला चौथे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बीते पौने चार साल के भीतर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। छत्तीसगढ़ में हुए इन प्रयासों को भारत सरकार ने भी कई बार सराहा हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल का ही विजन था कि वंचित वर्ग के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा मिल सके और वे भविष्य के अवसरों के लिए तैयार हो सकें। इसी संकल्पना को ध्यान में रखकर छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट स्कूल शुरू किए गए हैं। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल के शुरू होने के बाद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे भी अब अंग्रेजी माध्यम में अपनी पढ़ाई कर रहे हैं और भविष्य संवारने में लगे हैं। अंग्रेजी माध्यम के साथ ही हिन्दी माध्यम में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल भी शुरू किए गए हैं। इसके अलावा आकांक्षी जिलों में संचालित प्राथमिक स्कूल के बच्चों को उनकी स्थानीय बोली में भी शिक्षा दी जा रही है, जिससे वो अपनी संस्कृति और सभ्यता से जुड़े रहें और पाठ्यक्रम के विषयों को आसानी से समझ सकें। इसी तरह मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बच्चों में कुपोषण दूर करने और किशोरी बालिकाओं व महिलाओं को एनिमिया से मुक्त करने के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान चलाया है। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से पोषण के क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम भी सामने आये हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक, दाई-दीदी क्लिनिक, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, हमर लैब, मलेरिया मुक्त बस्तर और मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ योजना का संचालन करने के साथ ही छत्तीसगढ़ में लोगों को डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य संबंधी लाभ पहुंचाये जा रहे हैं।

शैक्षिक गुणवत्ता के लिए बेहतर प्लान बनाएं - संचालक श्री राणा

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के संचालक श्री राजेश सिंह राणा ने समग्र शिक्षा और एससीईआरटी को समन्वय से कार्य करने पर जोर देते हुए कहा है कि एससीईआरटी और समग्र शिक्षा को राज्य में शिक्षा गुणवत्ता के लिए सकारात्मक योजना बनाकर काम करना चाहिए। उन्होंने कार्ययोजना के क्रियान्वयन की पाक्षिक बैठक में नियमित रूप से समीक्षा करने को भी कहा है। संचालक श्री राणा एससीईआरटी में प्रारंभिक साक्षरता एवं संख्यात्मकता संबंधी बुनियादी दक्षताओं की जांच के लिए असर के संबंध में प्रदेश की गुणात्मक स्थिति की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में एससीईआरटी और समग्र शिक्षा के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा श्री नरेन्द्र दुग्गा ने बैठक में पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम की समीक्षा के साथ कई अन्य महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में शिक्षा से संबंधित विभिन्न पहलू पर गहन विचार-विमर्श किया गया, जिसमें कक्षा पहली से पांचवी तक के अभ्यास पुस्तिका का निर्माण और असर के संदर्भ में सीखने के प्रतिफल पर आधारित राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे के संबंध में शिक्षकों के भीतर जागरूकता लाना है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को जागरूकता के स्तर पर पहुंचाना, जिससे राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे के परिणामों को प्रभावित किया जा सके। नेशनल अचीवमेंट सर्वे (एनईएस) के परिणाम के संदर्भ में डिपस्टिक स्टडीज करना है। इस स्टडीज के माध्यम से बच्चों की कमजोरी का पता लगाकर सुव्यस्थित कार्ययोजना का निर्माण तथा उसे क्रियान्वित कर गुणवत्ता की दिशा में पूरी व्यवस्था उत्तरोत्तर प्रगतिशील बनाने का लक्ष्य रखा गया। कक्षा पहली से आठवीं के पाठ्यक्रम की समीक्षा पर भी व्यापक विचार-विमर्श किया गया। चूंकि प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यचर्या का निर्माण किया जा रहा है। पाठ्यचर्या के पश्चात पाठ्यक्रम की समीक्षा आवश्यक होने के कारण इस विषय पर राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, समग्र शिक्षा और अन्य शिक्षाविदों के साथ विचार-मंथन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

इस अवसर पर एससीईआरटी के अतिरिक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे, समग्र शिक्षा के अतिरिक्त संचालक श्री के.सी. काबरा, एससीईआरटी की संयुक्त संचालक निशी भाम्बरी और एससीईआरटी एवं समग्र शिक्षा के अकादमिक सदस्य उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण में स्कूली बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका

सुब्रत साहू

स्कूली बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रेरित करने के लिये छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय इको बाल मेले का शुभारंभ किया गया। अपर मुख्य सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल सुब्रत साहू ने इस मेले का शुभारंभ करने के बाद समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में स्कूली बच्चों को आगे आना होगा। उन्होंने मेले में उपस्थित स्कूली बच्चों एवं शिक्षकों से पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी होने के नाते स्कूली बच्चों की पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका है।

सुब्रत साहू ने पर्यावरण पर मंडराते खतरों का उल्लेख करते हुए कहा कि मौजूदा समय में पृथ्वी और हमारा जन-जीवन एक कठिन दौर से गुजर रहा है। विकास की गति को बरकरार रखते हुए पर्यावरण को बचाये रखना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन थोड़ी सी सावधानियों के साथ ऐसा कर पाना संभव है। सुब्रत साहू ने कहा कि हमें अपनी आदतों में परिवर्तन लाना होगा तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कार्यों को छोड़ना होगा। हमें अपने व्यवहार से पर्यावरण की रक्षा का संदेश देना होगा। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव आर.पी. तिवारी ने दो दिवसीय इको बाल मेले के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्यक्रम मुख्यतः पर्यावरणीय जन-जागरूकता के लिए किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सभी जिलों के इको क्लब स्कूलों के बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया जाना यह प्रदर्शित कर रहा है कि बच्चे पर्यावरण के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। दो दिवसीय इको बाल मेले में प्रदेश के सभी जिलों के 03-03 इको क्लब स्कूलों के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। यहां आयोजित प्रदर्शनी में इन विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न पर्यावरणीय विषयों पर केन्द्रित शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें पर्यावरण पर आये खतरों को दर्शाते हुए पर्यावरण की रक्षा का संदेश दिया गया है। इसके साथ ही पर्यावरण पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही है। सुब्रत साहू ने पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा तैयार स्कूली बच्चों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

सर्वे क्रमांक तैतीस – 28 सितंबर,2022 से 27 अक्टूबर, 2022

-डॉ. एम. सुधीश, समग्र शिक्षा

राज्य में बच्चों एवं शिक्षकों की विभिन्न विषयों में समझ बनाने हेतु पाठ्य-पुस्तकों में क्यू-आर कोड डाला जा रहा है। विभिन्न विषयों में और अधिक समझ बनाए जाने हेतु क्यू-आर कोड के माध्यम से वीडियो उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस सर्वे के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि वास्तव में कितने बच्चे एवं शिक्षक हमारी पुस्तकों में उपलब्ध क्यू आर कोड को देखते हैं, उनका उपयोग करते हैं।

शिक्षकों से प्रश्न: क्या आप पाठ्य-पुस्तकों में उपलब्ध क्यू-आर कोड का नियमित उपयोग करते हैं ?

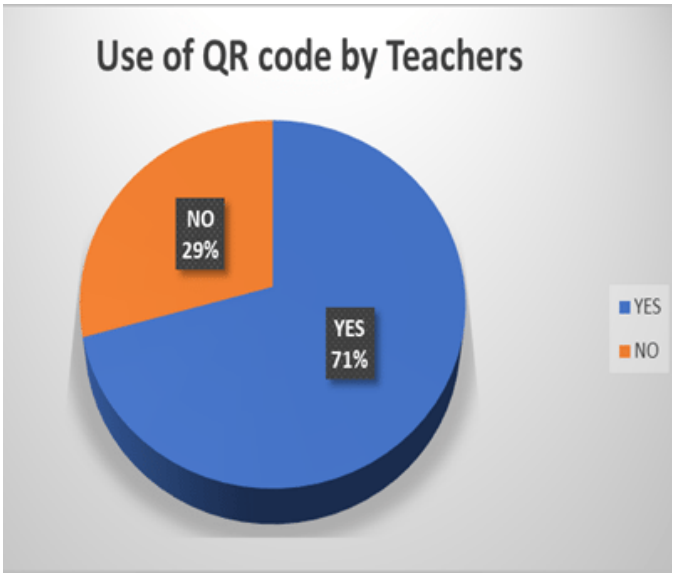

सर्वे में शामिल 71% शिक्षकों का कहना है कि वे पाठ्यपुस्तकों में उपलब्ध QR Code का उपयोग कर पाठ को समझने और समझान का प्रयास करते हैं।

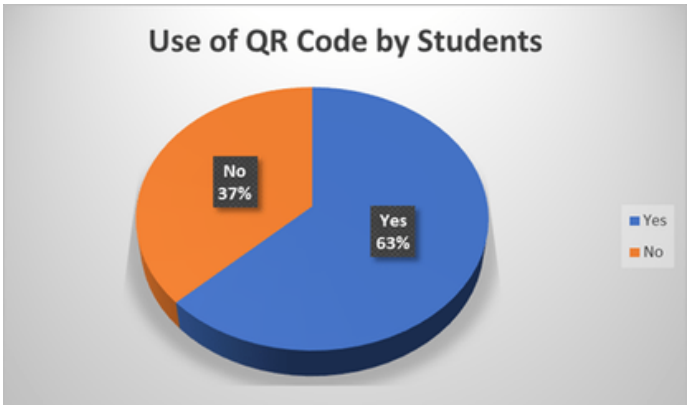

राज्य में लगभग 63 % विद्यार्थियों ने सर्वे के माध्यम से अवगत करवाया है कि वे पाठ्यपुस्तकों में उपलब्ध करवाए गए QR Code का उपयोग करते हैं। यहाँ इस बात से अवगत करवाया जाना आवश्यक है कि इस सर्वे में प्रतिभागी वे बच्चे हैं जिनके पास इंटरनेट देखने के लिए संसाधन एवं सुविधाएं उपलब्ध हैं और उनमें से अभी भी 37 % बच्चे उनके पाठ्यपुस्तक में उपलब्ध QR Code का प्रयोग नहीं करते।

बच्चों से प्रश्न: क्या आप पाठ्य-पुस्तकों में उपलब्ध क्यू-आर कोड का नियमित उपयोग करते हैं ?

शाला में शिक्षकों को बच्चों को किसी पाठ को पढ़ाते समय QR Code का उपयोग कर उसमें उपलब्ध वीडियो सामग्री को दिखाया जाना चाहिए। ऐसा करने से बच्चों को भी पाठ को समझने में आसानी के साथ-साथ उन्हें QR Code के संबंध में समझ विकसित करने एवं उनके नियमित उपयोग हेतु प्रेरणा एवं समझ विकसित हो सकेगी।

अपने शाला संकुल के भीतर की शालाओं में उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग एवं साझेदारी हेतु "स्पाइडर वेब मोडल" का उपयोग

- अपने शाला संकुल के भीतर की शालाओं को विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ स्कूलों के रूप में विकसित करें।
- शालाओं में विशेषज्ञता के क्षेत्रों का निर्धारण वहां के शिक्षकों की रूचि एवं कौशल के आधार पर निर्धारित करें।
- शाला संकुल की सभी शालाओं को ऐसे अलग अलग क्षेत्र में विकसित कर एक दूसरे से सहयोग एवं साझेदारी के लिए प्रेरित करें।
- इस प्रकार अपने शाला संकुल में "स्पाइडर वेब मोडल" के उपयोग को प्रोत्साहित करें।

आइडिया:

अपने शाला संकुल के भीतर की शालाओं में उपलब्ध संसाधनों की आपस में साझेदारी हेतु स्पाईडर वेब मोडल का उपयोग सुनिश्चित करना। इस मोडल में आपको अपने संकुल की अलग अलग शालाओं को अलग अलग क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करवाए जाने हेतु विकसित किया जाना होगा। संकुल की एक शाला को भाषा में, एक को गणित में, एक को खेल में, एक को पुस्तकालय एक उपयोग में, एक को स्थानीय सामग्री विकसित कर उपयोग में, एक को सहायक सामग्री बनाने में, एक को आकलन में सुधार लाए जाने जैसे आवश्यकतानुसार विभिन्न कार्यों हेतु संकुल की अलग अलग शालाओं को वहां के शिक्षकों की रूचि एवं विशेषज्ञता के आधार पर विकसित कर इस प्रकार तैयार संसाधनों के उपयोग के लिए एक दूसरे क ऊपर निर्भरता एवं साझेदारी का कल्चर विकसित किया जाए।

प्रिंट-रिच वातावरण निर्माण हेतु शालाओं को ई-सामग्री वितरण

राज्य में इस वर्ष शाला अनुदान एवं ऍफ़ एल एन के अंतर्गत प्रिंट रिच करने हेतु दिए जा रहे अनुदान के बेहतर एवं प्रभावी उपयोग हेतु राज्य स्तर से प्रिंट-रिच वातावरण हेतु कुछ सुझावात्मक डिजाइन बनाकर भेजे जाने का निर्णय हुआ है। इस बार शालाओं में प्रिंट-रिच वातावरण निर्माण करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेंगे-

- सभी प्रिंट-रिच डिजाइन को लर्निंग आउटकम के साथ मैच करवाते हुए चयन करेंगे एवं प्रत्येक डिजाइन के नीचे उसका लर्निंग आउटकम का नंबर भी छोटे आकार में लिख लेवें ताकि शिक्षकों को लर्निंग आउटकम की समझ ठीक से बने।

- प्रत्येक कक्षा में उस कक्षा के लिए निर्धारित विभिन्न लर्निंग आउटकम को स्थाई रूप से लिखवा लेंगे ताकि सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी को उस कक्षा में क्या क्या आना चाहिए, यह अच्छे से मालूम हो जाए।

- शाला में यह सुनिश्चित करें कि शिक्षक एवं विद्यार्थी उनके आसपास तैयार एवं उपलब्ध प्रिंट-रिच वातावरण को सीखने के लिए एक अवसर के रूप में उपयोग में लाए।

- आवश्यकतानुसार प्रिंट-रिच के कुछ उपयोगी एवं निरंतर अभ्यास हेतु चयनित डिजाइन को ग्राम स्तर पर अनुमति लेकर ग्राम की दीवारों पर भी तैयार किया जा सकता है।

- प्रत्येक शाला की बाहरी दीवार पर गाँव की स्थानीय ख़बरों को बच्चों के माध्यम से संकलित कर लिखने हेतु “आज की ताजा खबर” के नाम से एक श्यामपट बनाया जाए। इस दीवार में आपकी शाला के चयनित विद्यार्थी गाँव से उपयोगी खबरों को एकत्र कर इस बोर्ड में लिखेंगे। समुदाय के लोग इस बोर्ड को पढने आएँगे ताकि उन्हें गांव का स्थानीय समाचार पढने को मिले और नव-साक्षर साथियों को पढने का अवसर मिले।

- प्रत्येक शाला में एक जगह दीवार डिक्शनरी के लिए रखें जिसमें प्रतिदिन एक नया शब्द, उसका अर्थ, स्थानीय भाषा में एवं अंग्रेजी में उसे क्या बोलते हैं आदि का विवरण उस दीवार पर लिखकर बच्चों को सीखने का अवसर देवें।

उपरोक्तानुसार राज्य स्तर पर तैयार तीन स्तर की पुस्तकें- स्तर एक- बालवाडी के लिए, स्तर दो- कक्षा पहली से तीसरी के लिए एवं स्तर तीन– कक्षा चौथी एवं पांचवीं के लिए तैयार सामग्री को जिलों में ई- सामग्री के रूप में भेजा जा रहा है।

SAGES Monthly Activity Report – July 2022
In activities the month of October,
According to academic calendar SAGES organized various.

PTM SVPHINDIMED SCH. RAIGARH

Grand parents day celebration Sages Bamhanindi

Atmanand School me Gandhi Shastri Jayanti manaya gaya, Dated 2-10-22 Daupara Mungeli.

C G Olympiad in Sages Lalbahadur shastri Bilaspur

SAGES Distt Level Cultural Competition 2022 held at sages Daupara Mungeli today dated 13-10-22

Celebration of birthday of Dr. A. P. J. Abdul Kalam as World Students Day dated 15-10-22

Morning shift 1st assembly and Rashtriya Akta Divas pledge dated 31-10-22

सिटी कोतवाली थाना में लगे हथियारों के प्रदर्शनी का स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय दाऊ पारा मुंगेली, के विद्यार्थियों के द्वारा अवलोकन किया गया।

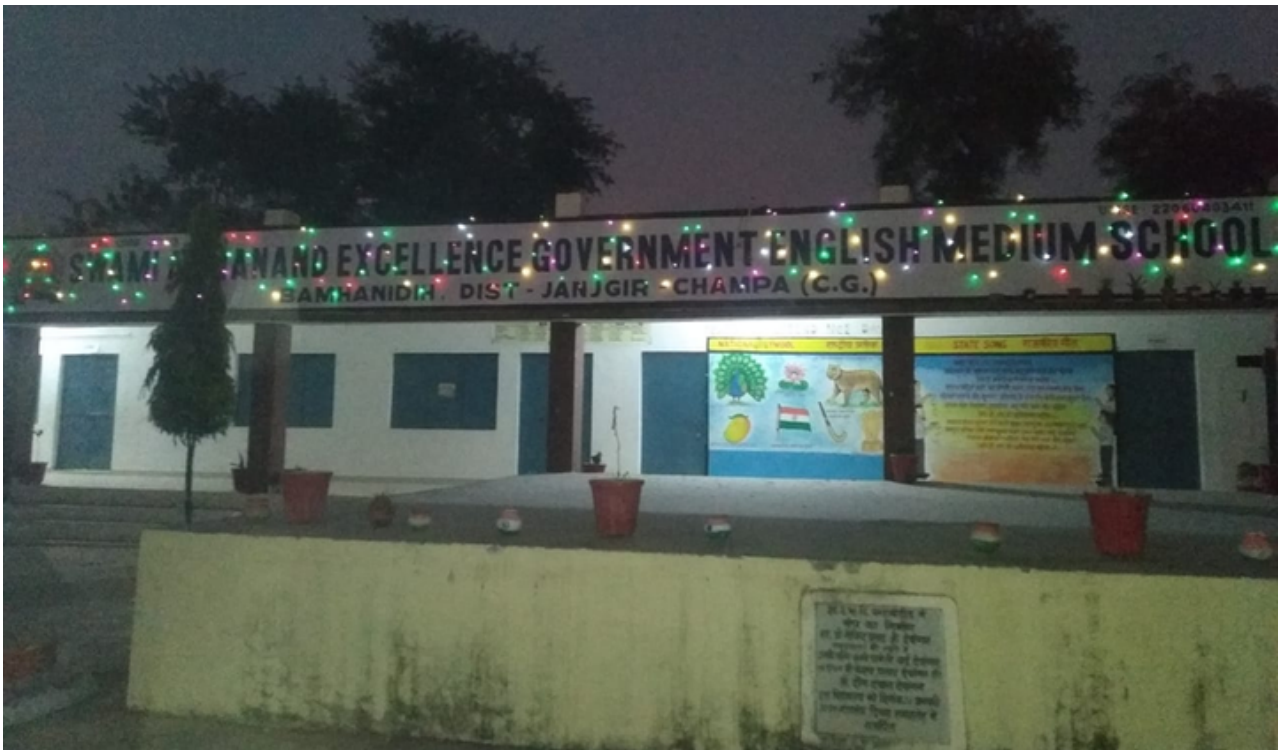

Lighting was done in sageson the occasion of Chhattisgarh Foundation Day Sages Bamhanindih

Kala utsav m jila level m Swami Aatma nand xcl English medium school pamgarh first prize lete huye

Celebration of National Unity Day @ SAGES Bamhanidih
Oath ceremony and rally on important of unity spread by our students in the streets and roads of Bamhanidih.

आयोजन: स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल दाऊपारा मुंगेली में मनाई गई स्वामी आत्मानंद की जयंती

जयंती पर याद किए गए स्वामी आत्मानंद, उनके व्यक्तित्व पर हुई चर्चा

गौरेला@पत्रिका. स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल दाऊपारा मुंगेली में स्वामी आत्मानंद जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती एवं स्वामी आत्मानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर शाला प्रबंधन विकास समिति अध्यक्ष सोम वर्मा एवं शाला प्राचार्य डॉ. आईपी यादव द्वारा किया गया। वहीं संस्था प्रमुख के द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया।

संस्था प्रमुख ने स्वामी आत्मानंद के जीवन चरित्र पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि 6 अक्टूबर 1929 को रायपुर में जन्मे इनके बचपन का नाम तुलेन्द्र था। इनके अथक प्रयासों से रायपुर में विवेकानन्द आश्रम की स्थापना की गई। वे इस आश्रम के प्रथम सचिव रहे।

उन्होंने बताया कि कुछ समय पश्चात इनका वर्धा जाना हुआ, जहां वे महात्मा गांधी से मिले और वे धीरे-धीरे महात्मा गांधी के चहेते बन गए। इन्होंने रामकृष्ण आश्रम में रह कर अपनी पढ़ाई पूरी की, जहां वे स्वामी विवेकानंद दर्शन से काफी प्रभावित हुए एवं प्रतिदिन आरती आदि कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते रहे। यहीं से वैराग्य और सेवा की भावना आने के कारण वे स्वामी जी के विचारों को अपने जीवन में अपनाने लगे। भारत के आजादी के बाद वे रामकृष्ण मिशन से जुड़ गये।

उन्होंने बताया कि वर्ष 1957 में उनकी प्रतिभा से प्रभावित होकर स्वामी शंकरानंद ने ब्रह्मचर्य की दीक्षा देते हुए स्वामी नाम दिया एवं हिमालय स्वर्गाश्रम में 1 साल कठोर साधना पश्चात रायपुर आने पर उन्हें यहां स्वामी आत्मानंद नाम मिला। 27 अगस्त 1989 को इनका स्वर्गारोहण हो गया। कार्यक्रम को समिति अध्यक्ष सोम वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि आज इनके नाम पर राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में एक महत्वाकांक्षी योजनांतर्गत अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम स्कूलों की एक श्रृंखला खोल रखी है। उन्होंने कहा कि पिछड़े एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पालकों के बच्चों को निःशुल्क उत्कृष्ट शिक्षा दी जा रही है।

इस अवसर पर शिक्षक अमित सोनी, ब्रजेश यादव, प्रज्ञा कोचिंग सेन्टर के प्रशिक्षक गितेश अग्रवाल व दीपांकर सोनी आदि वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक मनोज सोनकर, लिपिक बंशीलाल कुम्हार सहित कोचिंग सेन्टर के प्रशिक्षार्थीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर आभार प्रदर्शन प्राथमिक विभाग प्रधान पाठक अमृता पात्रे ने किया गया। वहीं कार्यक्रम का संचालन संकुल शैक्षिक समन्वयक नेमीचंद भास्कर ने किया। इस दौरान शिक्षक व बच्चे बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आयोजन: स्वामी आत्मानंद स्कूल दाऊपारा में सांस्कृतिक प्रतियोगिता सम्पन्न

छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियां रहीं मनोहारी

मुंगेली@पत्रिका. स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी स्कूल दाऊपारा मुंगेली में जिले में संचालित चारों अंग्रेजी/हिन्दी माध्यम शालाओं का एक दिवसीय जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ शाला प्रबंधन विकास समिति अध्यक्ष सोम वर्मा, सदस्य डॉ. हीरा लाल साहू, शीला जायसवाल एवं शाला प्राचार्य डॉ. आईपी. यादव ने किया।

शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष वर्मा ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. हीरा लाल साहू ने भी सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता की भावना से सभी विधाओं में भाग लेकर जिले का नाम रोशन करने आह्वान किया। वहीं प्रार्थना स्थल में बरसात एवं धूप से बचाव के लिए शेड निर्माण हेतु क्रमशः अपने ऐल्डरमेन मद से डेढ़ लाख एवं पार्षद सुशीला साहू के मद से प्रतिनिधि स्वरूप डेढ़ लाख रुपए की स्वेच्छानुदान प्रदान करने की घोषणा की गई। प्राचार्य डॉ. यादव ने बताया कि पूर्व माध्यमिक एवं हायर स्तर पर आयोजित होने वाली बालक एवं बालिका वर्ग की प्रतियोगिता में एकल एवं सामूहिक नाटक, नृत्य, गायन, वाद्ययंत्र विधा में प्रतियोगिता पश्चात उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम प्रतिभागियों का चयन कर संभागीय स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित कराया जायेगा। जिले के प्रतिभागी बच्चों द्वारा बड़े उत्साह से भाग लेकर रंगा-रंग कार्यक्रम की प्रस्तुती दी गयी। प्रतियोगिता में मूल्यांकन कार्य के लिए मंजूला शर्मा, रानू सोनी, शकुन्तला राजपूत, जेबा तबस्सुम एवं पंकज मिश्रा को नियुक्त किया गया था। कार्यक्रम में शालेय सांस्कृतिक प्रभारी सांत्वना दत्ता का विशेष योगदान रहा। इस दौरान प्राचार्य अशोक कुमार राजपूत, सुरजीत सिंह टंडन, पीसी दिव्य, महादेव यादव व हरिशंकर गुप्ता उपस्थित रहे।

शिक्षा को मिली नई दिशा, सरकारी स्कूल बने 'असरकारी'

22 साल पहले 1042 जवान संभालते थे कानून व्यवस्था, अब 804 के भरोसे जिला

8वीं तक की शिक्षा आरटीई से करनी होगी बाहर

आज के मार्केट के हिसाब से शिक्षा की आवश्यकता

राज्य स्तरीय खेलकूद का समापन : दुर्ग संभाग बना ओवरआल चैम्पियन

खेल से मिलती है अनुशासन की सीख : रश्मि

8 खेलों की हुई प्रतियोगिता

ओवरआल चैम्पियन का खिताब दुर्ग को

पत्रिका सिटी & हाइपर लोकल HYPER LOCAL patrika.com CITY

पत्रिका 14

बिलासपुर, शनिवार, 05 नवंबर 2022

सेजस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दुर्ग संभाग बना चैंपियन

पत्रिका स्पोर्ट्स कॉर्नर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क patrika.com

सेजस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 2022 का समापन कार्यक्रम बहतराई स्टेडियम में संपन्न हुआ जहां अपने शानदार खेल की बदौलत दुर्ग संभाग ओवर ऑल चैंपियन बना। स्पर्धा में बस्तर संभाग उपविजेता रहा। प्रतियोगिता में 5 संभाग के 1360 खिलाड़ियों ने शिरकत की।

बिलासपुर कबड्डी बालिका पूर्व माध्यमिक वर्ग में रायपुर संभाग प्रथम स्थान पर बिलासपुर दूसरे और दुर्ग तीसरे स्थान पर रहा। कबड्डी बालक उच्चतर माध्यमिक वर्ग में दुर्ग संभाग प्रथम स्थान पर बिलासपुर संभाग द्वितीय स्थान और बस्तर संभाग तृतीय स्थान पर रहा। खो-खो बालिका पूर्व माध्यमिक वर्ग में दुर्ग संभाग प्रथम स्थान पर बिलासपुर संभाग द्वितीय स्थान पर और सरगुजा संभाग तृतीय स्थान पर रहा। खो-खो बालक उच्चतर माध्यमिक वर्ग में दुर्ग संभाग प्रथम स्थान पर बिलासपुर संभाग द्वितीय स्थान पर और बस्तर संभाग तृतीय स्थान पर रहा। शतरंज बालिका पूर्व माध्यमिक वर्ग में दुर्ग संभाग प्रथम स्थान पर रहा। वहीं बिलासपुर संभाग ने द्वितीय स्थान हासिल किया। शतरंज बालक उच्चतर माध्यमिक वर्ग में दुर्ग संभाग प्रथम स्थान पर रहा वहीं बिलासपुर संभाग द्वितीय स्थान और रायपुर संभाग तृतीय स्थान रहे।

समापन समारोह में जिला प्रशासन की तरफ से जिला कलेक्टर सौरभ कुमार और जिला पंचायत सीईओ जयश्री जैन ने भी शिरकत की और बच्चों को संबोधित किया। इसके साथ ही जिला ग्रामीण कांग्रेस के अध्यक्ष विजय केसरवानी, योग आयोग के सदस्य रविंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान, कृषि उपज मंडी बोर्ड बिलासपुर के अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला, माडुआ कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष राजेंद्र धीवर, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रमोद नायक ने संबोधित किया। कार्यक्रम में आए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर जिला शिक्षा अधिकारी डी के कौशिक और स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के नोडल अधिकारी रामेश्वर जायसवाल ने सम्मानित किया।

जो सपना और उद्देश्य था वह पूरा हुआ : पांडेय

विधायक शैलेष पांडेय ने कहा कि जो उद्देश्य जो लक्ष्य था जो सपना देखा था मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और शिक्षा मंत्री ने वह अब साकार हो रहा है हमारी सरकार ने 276 आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय खोले हैं। आज हमारे बच्चों को बिना किसी होनेशन के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में प्रवेश मिलता है और हमारे सामान्य परिवार के बच्चे भी यहां अपनी शिक्षा पूरी कर रहे हैं।

विद्यार्थियों को करना है प्रमाणित : रजनीश

कार्यक्रम में बेलतरा विधायक रजनीश सिंह ने कि सरकार ने जिस मंशा के साथ अंग्रेजी माध्यम स्कूल का शुभारंभ किया है उसे आपको प्रमाणित करना है विद्यालयीन स्तरीय पढ़ाई के बाद आपको महाविद्यालय स्तर पर भी इसे बरकार रखना है। आने वाला समय छत्तीसगढ़ के लिए बहुत अच्छा रहने वाला है, यह लय है।

आत्मानंद स्कूल खोलना बड़ी उपलब्धि : रश्मि

संसदीय सचिव व तखतपुर विधायक रश्मि सिंह ने कहा कि आज हिंदुस्तान के बच्चे विदेशी कंपनी के सीईओ बनकर बैठे हैं यह शिक्षा की सफलता है। कोरोना काल में पालक अपने बच्चों का फीस नहीं दे पा रहे थे ऐसे समय में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय खोलकर बच्चों निशुल्क अंग्रेजी मीडियम की शिक्षा उपलब्ध कराई है यह एक बड़ी उपलब्धि है।

खेल में आगे बढ़ने की जरूरत, करेंगे प्रयास : अटल

पर्यटन मंडल अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी मीडियम और अंग्रेजी मीडियम स्कूल में कोई अंतर नहीं होता। मुख्यमंत्री की सोच थी कि हम बच्चों को एक उत्कृष्ट माहौल में बच्चों को शिक्षा की व्यवस्था दें। खेल को और आगे बढ़ाने की जरूरत है इस दिशा में हम प्रयास भी करेंगे।

स्वामी आत्मानंद स्कूल की छात्रा का नासा के प्रोजेक्ट के लिए चयन

छत्तीसगढ़ के जिला महासमुन्द में नयापारा के स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल की कक्षा 11वीं की छात्रा रितिका ध्रुव का चयन नासा (National Aeronautics and Space Administration) के सिटीजन साईंस प्रोजेक्ट के अंतर्गत क्षुद्रग्रह खोज अभियान के लिए हुआ है। नासा का यह प्रोजेक्ट इसरो के साथ अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय खोज सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत साझेदारी का हिस्सा है। सोसाइटी फॉर स्पेस एजुकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट (एसएसईआरडी) ने क्षुद्र ग्रह खोज अभियान की प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित करने कहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए देशभर से छह स्कूली विद्यार्थियों को चुना गया है। इसमें छत्तीसगढ़ के सिरपुर की रहने वाली और महासमुन्द स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा रितिका ध्रुव भी शामिल है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने रितिका ध्रुव की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि छात्रा रितिका ध्रुव बचपन से ही विज्ञान के प्रति रूचि रखती रही है। कक्षा 8वीं में रहने के दौरान उसने पहली बार अंतरिक्ष प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में हिस्सा लिया था। इसके बाद वे लगातार विज्ञान संबंधी गतिविधियों में प्रतिभागी बनती रही है। नासा के प्रोजेक्ट के लिए जब आवेदन आमंत्रित किया गया, तब निर्धारित प्रारूप में रितिका ने भी आवेदन करते हुए अपना प्रोजेक्ट रखा।

चयन के स्तरों में पहले उन्होंने बिलासपुर में विषय संबंधी प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया तो इसके बाद भिलाई स्थित आईआईटी में अपनी प्रस्तुति दी। फिर जाकर रितिका को इसरो के श्री हरिकोटा (आंध्रप्रदेश) सेंटर में प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया। इस प्रोजेक्ट में रितिका के साथ देश के छह अन्य स्कूली विद्यार्थियों का चयन हुआ है। जिनमें वोरा विघ्नेश (आंध्रप्रदेश), वेम्पति श्रीयेर (आंध्रप्रदेश), ओलविया जॉन (केरल), के. प्रणीता (महाराष्ट्र) और श्रेयस सिंह (महाराष्ट्र) शामिल हैं। इन विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष के वैक्यूम में ब्लैक होल से ध्वनि की खोज विषय पर एक प्रस्तुति दी थी। इसमें स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल नयापारा महासमुन्द की छात्रा रितिका ने ध्रुव अपनी टीम का प्रतिनिधित्व किया एवं बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। जज पैनल में डॉ. बेलवर्ड (नासा), डॉ. जोनाथ (इसरो) और डॉ. ए. राजराजन (सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र) शामिल थे।
वैज्ञानिक जजों की पूरी टीम ने रितिका ध्रुव को बधाई दी और उन्हें उन्हें एसडीएससी में अधिक जानने के लिए आमंत्रित किया। इसी क्रम मे रितिका ध्रुव प्रशिक्षण के लिए 1 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक सतीश धवन स्पेस सेंटर श्री हरिकोटा आंध्रप्रदेश में प्रशिक्षण लेने पहुंची है। अगले चरण का प्रशिक्षण नवम्बर में बैंगलूरू इसरो में क्षुद्रग्रह प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेंगी।

मीडिया गैलरी

उत्कृष्ट अंग्रेजी स्कूल की रितिका का चयन नासा प्रोजेक्ट में

क्षुद्रग्रह खोज का काम करेगी, देशभर से चुने गए 6 बच्चे

नवभारत रिपोर्टर । रायपुर।

महासमुंद में नयापारा के स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल की कक्षा 11वीं की छात्रा रितिका ध्रुव का चयन नासा के सिटीजन साइंस प्रोजेक्ट के अंतर्गत क्षुद्रग्रह खोज अभियान के लिए हुआ है। नासा का यह प्रोजेक्ट इसरो के साथ अंतरराष्ट्रीय खगोलीय खोज सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत साझेदारी का हिस्सा है। रितिका 6 अक्टूबर तक सतीश धवन स्पेस सेंटर श्री हरिकोटा आंध्रप्रदेश में प्रशिक्षण लेंगी। अगले चरण में नवम्बर में बैंगलुरू इसरो में क्षुद्रग्रह प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेंगी। सोसाइटी फॉर स्पेस एजुकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट (एसएसईआरडी) ने क्षुद्र ग्रह खोज अभियान की प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित करने कहा है। इस प्रोजेक्ट के लिए देशभर से छह स्कूली विद्यार्थियों को चुना गया है। इसमें सिरपुर की रहने वाली रितिका ध्रुव भी शामिल है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने रितिका ध्रुव को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। नासा के प्रोजेक्ट के लिए जब आवेदन आमंत्रित किया गया, तब निर्धारित प्रारूप में रितिका ने भी आवेदन करते हुए अपना प्रोजेक्ट रखा। चयन के स्तरों में पहले उन्होंने विलासपुर में विषय संबंधी प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया तो इसके बाद भिलाई स्थित आईआईटी में अपनी प्रस्तुति दी। फिर जाकर रितिका को इसरो के श्री हरिकोटा (आंध्रप्रदेश) सेंटर में प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया। इन विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष के वैक्यूम में ब्लैक होल से ध्वनि की खोज विषय पर एक प्रस्तुति दी थी।

आत्मानंद स्कूल की छात्रा का नासा के क्षुद्रग्रह खोज अभियान लिए चयन

रायपुर, 1 अक्टूबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ के जिला महासमुन्द में नयापारा के स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल की कक्षा 11वीं की छात्रा रितिका ध्रुव का चयन नासा के सिटीजन साईंस प्रोजेक्ट के अंतर्गत क्षुद्रग्रह खोज अभियान के लिए हुआ है नासा का यह प्रोजेक्ट इसरो के साथ अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय खोज सहयोग कार्यक्रम के अंतर्गत साझेदारी का हिस्सा है सोसाइटी फॉर स्पेस एजुकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एसएसईआरडी ने क्षुद्र ग्रह खोज अभियान की प्रक्रिया के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित करने कहा है।

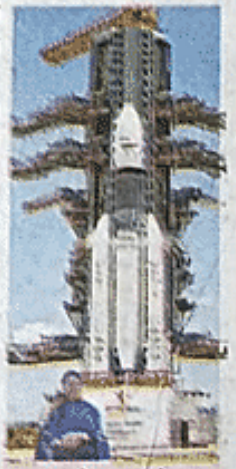

■ सीएम बघेल और शिक्षा मंत्री टेकाम ने दी बधाई

उल्लेखनीय हैंकि इस प्रोजेक्ट के लिए देशभर से छह स्कूली विद्यार्थियों को चुना गया है इसमें छत्तीसगढ़ के सिरपुर की रहने वाली और महासमुन्द स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा रितिका ध्रुव भी शामिल है मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह टेकाम ने रितिका की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है दरअसल छात्रा रितिका ध्रुव बचपन किया गयाए तब निर्धारित प्रारूप में रितिका ने भी आवेदन करते हुए अपना प्रोजेक्ट रखा चयन के स्तरों में पहले उन्होंने बिलासपुर में विषय संबंधी प्रश्नोत्तरी प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया तो इसके बाद भिलाई स्थित आईआईटी में अपनी प्रस्तुति दी फिर जाकर रितिका को इसरो के श्री हरिकोटा आंध्रप्रदेश सेंटर में प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित किया गया वहीं इस प्रोजेक्ट में रितिका के साथ देश के छह अन्य स्कूली विद्यार्थियों का चयन हुआ है जिनमें वोरा विघ्नेश आंध्रप्रदेश वेम्पति श्रीयेर आंध्रप्रदेश ओलविया जॉन केरल के प्रणीता महाराष्ट्र और श्रेयस सिंह महाराष्ट्र शामिल हैं इन विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष के वैक्यूम में ब्लैक होल से ध्वनि की खोज विषय पर एक प्रस्तुति दी थी।

इसमें स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल नयापारा महासमुन्द की छात्रा रितिका ने ध्रुव अपनी टीम का प्रतिनिधित्व किया एवं बहुत अच्छा प्रदर्शन किया जज पैनल में डॉ बेलवर्ड नासा डा जोनाथ इसरो और डा राजराजन ;सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द शामिल थे वैज्ञानिक जजों की पूरी टीम ने रितिका ध्रुव को बधाई दी और उन्हें उन्हें एसडीएससी में अधिक जानने के लिए आमंत्रित किया इसी

राज्यस्तरीय सेजेस कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिले से सर्वाधिक प्रस्तुतियां

ग्यासुद्दीन
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही- स्वामी आत्मानंद विद्यालयो में राज्य स्तरीय कला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिसमे राज्य के सभी जिलों व विकासखंड में स्तिथ सभी अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम सेजेस विद्यालयों ने भाग लिया। यह तीन चरणों मे आयोजित किया जा रहा है जिसमे जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय व राज्य स्तरीय है । इस कार्यक्रम में सभी कला व सांस्कृतिक विधाओ के कार्यक्रम शामिल है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जिला गौरेला पेण्ड्रा व मरवाही के 6 कार्यक्रम जिनमे (सामुहिक नृत्य, गायन , वादन यंत्र एकल व सामुहिक स्वामी आत्मानन्द अंगेजी माध्यम विद्यालय पेण्ड्रा से, एकल वादन में स्वामी आत्मानन्द सेमरा व एकल नृत्य में स्वामी आत्मानन्द मरवाही) के छात्र छात्रओं हुआ जिसका आयोजन अक्टूबर 27 -28 को रायपुर में होगा। सेजेस विद्यार्थियों का संभागीय स्तर में उत्कृष्ट प्रदर्शन ने जिले का गौरव राज्य स्तर में बढ़ाया है। जिसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी श्री चंद्रा जी ने छात्र छात्रओं व संबंधित शिक्षकों को शुभकामनाएं दी व आगामी राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभाशीष दिया। कार्यक्रम के नोडल के सभी सेजेस विद्यार्थियों के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं । राज्य स्तरीय कार्यक्रम में चयनित छात्र व छात्रओं का राज्य स्तर में जिले का परचम लहराने के लिये सभी का मनोबल बढ़ाया। ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम में स्वामी आत्मानन्द इंग्लिश माध्यम से 4 , स्वामी आत्मानन्द सेमरा से 1 व स्वामी आत्मानन्द मरवाही से

नवाचारी प्रयासः 'एक कदम और फाउंडेशन' के सहयोग से 8 दृष्टिहीन बच्चों का हो रहा सर्वांगीण विकास

गौरेला पेण्ड्रारोड। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की विशेष पहल पर जिले में नवाचारी प्रयास के तहत जिले के ऐसे बच्चे जो दृष्टिहीनता के कारण नियमित शिक्षा से दूर हो रहे थे तथा इन्हें सीखने का अवसर उपलब्ध नहीं हो पा रहा था, उनके सर्वांगीण विकास के लिए 'एक कदम और फाउंडेशन' के सहयोग से एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है।

इस कार्यक्रम के तहत जिले में 8 दृष्टिहीन बच्चों को इस कार्यक्रम हेतु चिन्हांकित किया गया तथा उनके शिक्षण एवं दैनिक जीवन के चुनौतियों को चिन्हांकित करते हुए सूचीबद्ध किया गया। तदुपरांत दृष्टिहीन बच्चों के शिक्षण अधिगम में वृद्धि करने हेतु विषय वस्तुओं को वालंटियर के माध्यम से बच्चों के साथ मिल कर कार्य किया जा रहा है। इनमें से 5 बच्चे गौरेला विकासखण्ड से एवं 3 बच्चे विकासखण्ड मरवाही से शामिल है। इनमें पहली कक्षा के 2 बच्चे, दूसरी के 2 बच्चे, तीसरी के 1 बच्चे, पाँचवी 1 बच्चे तथा सातवीं कक्षा में 2 बच्चे पढ़ते हैं।

हितग्राही बच्चों को प्रशिक्षित वालंटियर के माध्यम से संज्ञानात्मक ज्ञान के अतिरिक्त व्यवहारिक ज्ञान में भी परिपूर्ण बनाया जा रहा है। दृष्टिहीन बच्चों को उनके दैनिक जीवन के कार्यों को बिना किसी सहयोग लिए स्वयं बनाने का कार्य भी किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत दृष्टिहीन बच्चों को उनके घरों में उपयोग में लाये जाने वाले आवश्यक एवं मनोरंजन की सामग्रियों से परिचित भी कराया जा रहा है।

दृष्टिहीन बच्चों के पालक अपने बच्चे को स्कूल नहीं भेजते थे। बच्चे स्कूल में कैसे पढ़ाई करेंगे, अन्य बच्चों के साथ कैसे मिलजुल कर रहेंगे, उनके साथी बच्चे को हीन भावना से तो नहीं देखेंगे, बच्चे को घर से स्कूल तक कौन लेकर जायेगा, इन्हीं सब कारणों से बच्चे शिक्षा की मुख्यधारा से दूर रहते थे। किन्तु उनके बच्चों हेतु संचालित इस कार्यक्रम के प्रारंभ होने से चिन्तामुक्त हो गये तथा उनमें भी अपने बच्चों के लिए भाव जागृत हुआ की उनके बच्चे दृष्टिहीन होते हुए भी राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में अपने पथ्य श्रेष्ठ भूमिका निर्वहन कर सकते हैं।

दृष्टिहीन बच्चों में संवेदनात्मक विकास में विभिन्न प्रकार का प्रयास सतत् हो रहा है जिसका यह सुखद परिणाम प्राप्त हुआ है कि बच्चों में अकादमिक उपलब्धि बढ़ी है। साथ ही साथ बच्चों में आत्मविश्वास और स्वयं सम्मान भावना से ओत-प्रोत हुए हैं। जिला प्रशासन का यह नवाचारी प्रयास न सिर्फ उन बच्चों के जीवन को सफल बनाने में सक्षम होगा बल्कि छत्तीसगढ़ के अन्य दृष्टिहीन बच्चों के सर्वांगीण विकास में मिल का पत्थर साबित होगा।

मीडिया गैलरी

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में 14 विधा पर खेलकूद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

विकासखंड जशपुर के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला दासडुमर टोली में बड़े धूमधाम के साथ छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। इस ओलंपिक में 14 विधा पर खेलकूद आयोजित है। जिसे तीन स्तर पर किया गया।

■ प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह

यह आयोजन में ग्राम पंचायत बघिमा के नोडल अधिकारी अनिरुद्ध टोप्पो, प्रधानपाठक माध्यमिक शाला बघिमा, सहायक नोडल अधिकारी राजकुंवर राम, सचिव ग्राम पंचायत बघिमा के निर्देशानुसार ग्राम दासडुमर टोली प्रभारी मुकेश कुमार सहायक शिक्षक, किरण चौहान सहायक शिक्षक के नेतृत्व में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सोहनी भगत, ग्राम के मितानीन चंपा बाई, सहायक शिक्षक अभिषेक कुमार अंबस्ट के सहयोग से किया गया। इस छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में ग्राम दासडुमर टोली के बच्चे, महिलाएं, पुरुष सभी ने उत्साह पूर्वक अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की दूरदर्शिता के चलते छत्तीसगढ़ ओलंपिक का आयोजन ग्राम से लेकर शहर तक किया जा रहा है। ग्राम स्तर में आयोजित इस प्रतियोगिता में लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अलग-अलग विधा में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पहले स्तर में 0 से 18 वर्ष के बालक- बालिका, द्वितीय स्तर में 18 से 40 वर्ष के युवक-युवती, महिला-पुरुष तथा तृतीय स्तर पर 40 से अधिक उम्र के महिला पुरुष के लिए आयोजित था। इस आयोजन को सफल बनाने में फिरदौस खानम प्रधानपाठक प्राथमिक शाला दास डुमरटोली एवं नॉन टीचिंग स्टाफ का सहयोग रहा।

ये है खेल की विधा

खेल की विधाओं में सिल्ली डंडा, पिट्ठुल, खोखली, लंगड़ी दौड़, कछाड़ी, खो-खो, रस्सा-कस्सी, खाटी क्रिकेट्स, फुगड़ी, लेड़ी दौड़, मटका (स्पून) दौड़ में 100 मी., लंबी कूद आदि शामिल है। उक्त विधा में खाणियों ने उत्साह से आगे लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खास प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि इस आयोजन से खाम्बासियों में उत्साह का माहौल है और खाम्बासी अगले स्टेप में पहल होने के लिए आतुर हैं।

पंचायत स्तर की स्पर्धा कल

पंचायत स्तर की प्रतियोगिता 10 अक्टूबर को माध्यमिक शाला बघिमा में आयोजित है। इसमें तीन खास टिकाऊकंज, बघिमा और खाम्बुडार टोली के प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस आयोजन के लिए पंचायत द्वारा तैयारी की जा रही है।

जापान से आए यूनिसेफ प्रतिनिधि यसुमुसा किमुरा को बच्चों ने भेंट की खुद के बनाए ग्रीटिंग कार्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शिक्षा विशेषज्ञ यूनिसेफ छत्तीसगढ़ समर्थ ट्रस्ट से रमेश ने जिला सीख समन्वयक देवेंद्र राजपूत के साथ सीख केंद्र धाराऊर का अवलोकन किया। बच्चों व पालकों ने अतिथियों

■ धाराऊर के सीख केंद्र का लिया जायजा

का स्वागत किया। अतिथियों ने सीख केंद्र में बच्चों से पढ़ाई के संबंध में शैक्षिक गतिविधियों पर चर्चा की गई। जापान से यूनिसेफ इंडिया के प्रतिनिधि यसुमुसा किमुरा को बच्चों ने स्वयं बनाये गए ग्रीटिंग कार्ड भेंट संकुल समन्वयक श्याम पाण्डे, संकुल समन्वयक सत्यनारायण पटेल, होशांग रंगारी, अशोक रामटके,

रायपुर के बाल मेले में शामिल होंगे तीन-तीन शिक्षक, बच्चे

शिक्षकों ने ली इको क्लब खोलने की ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ पेंड्रा

जिला जीपीएम राष्ट्रीय हरित वाहिनी कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में इको क्लब उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण में 265 प्रभारी विज्ञान शिक्षकों ने हिस्सा लिया। यह जिला शिक्षा अधिकारी मनोज राय के नेतृत्व में तीन दिन चला।

डीईओ मनोज राय ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के बीच पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देना, पर्यावरण शिक्षा का प्रसार करना एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों की भागीदारी को बढ़ाना है। सहायक परियोजना अधिकारी लखन लाल जाटवार ने योजना पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षक जिला कोऑर्डिनेटर विकास त्यागी ऑक्सफोर्ड स्कूल, बनमाली प्रसाद वासुदेव डाइट पेंड्रा, अखिलेश्वर सोनवानी, धनौली हायर सेकेंडरी स्कूल एवं हंसराज भार्गव हायर सेकेंडरी स्कूल नेवसा शामिल थे। प्रशिक्षण का समापन मरवाही के सद्भावना भवन में हुआ। एएचईओ श्री पटेल ने बताया कि रायपुर के असेंसन धाम में 11 एवं 12 अक्टूबर को बाल मेला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जिले से सर्वश्रेष्ठ 3 इको क्लब के 3-3 विद्यार्थियों को अपने प्रभारी शिक्षकों के साथ जाने का अवसर प्राप्त होगा।

स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार हेतु सतत मॉनिटरिंग

11-10-2022

तोकापाल जिला बस्तर **जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती प्रधान एवं जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा अखिलेश मिश्रा के निर्देश पर स्कूलों का सतत निरीक्षण**

विकासखंड तोकापाल के स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण खंड स्रोत समन्वयक समग्र शिक्षा अजय शर्मा के द्वारा किया गया जिसमें शैक्षणिक गुणवत्ता को बनाए रखने हेतु शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिया गया साथ ही पाठ्यक्रम के अनुसार अध्यापक दैनंदिनी को प्रतिदिन लिखने तथा उसके अनुरूप कक्षा अध्यापन करने के निर्देश दिया गया जिससे प्रत्येक पाठ के लर्निंग आउटकम को विद्यार्थी समझ सके इसके अलावा स्कूल में बच्चों की नियमित उपस्थिति एवं ठहराव ,प्रार्थना सभा में निर्धारित कार्यक्रम ,कहानी, चर्चा पत्र, नवा जतन, एल. एफ. एन ,पीएलसी, नेशनल अचीवमेंट सर्वे तथा असर के अंतर्गत किए जाने वाले सभी शैक्षणिक कार्यों की जानकारी शिक्षक शिक्षिकाओं से ली गई तथा जो कमी पाई गई है उसे सुधार करने के निर्देश दिए गए इसी कड़ी में स्कूल भवन को प्रिंट रिच वातावरण तथा लाइब्रेरी को बेहतर करने का भी सुझाव दिया गया है जहां बालवाड़ी संचालित है वहां के शिक्षक तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को भी बालवाड़ी में बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने तथा बालवाड़ी केंद्र हेतु चयनित भवन

Block Level National Science Seminar organized

Central Chronicle News

Gaurela-Pendra-Marwahi, Sep 24: National Science Seminar is organized every year for school students to develop a sense of nationalism among students across the country, to create scientific research, analytical aptitude among students, to provide a platform for exchange of ideas of emerging scientists. The program is being edited online till the zone level.

In the same accordance, block level National Science Seminar was organized on the topic "Science for Sustainable Development - Challenges and Prospects". In the seminar organized in online mode, 42 participants from the development block Gourela presented, in which first place Manvi Mishra, Class 9th, Seges Semra, second place Shaurya Raj Robinson, Class 8th Seges Semra, third place Yogendra Singh Class 10th, Gurukul School. From development block Pendra first place went to Vivek Rajak Class 10th Seges Pendra English Medium, second place was Anita Rathore Class 10th Shas High School Bacharwar, third place was Ku Meenakshi Kanwar Class-10th, Shas High School, Bacharwar. From development block Marwahi first place went to Kishan class 10th Shas High School Bhaskura, second place Namrata Uike class 10th, Shas High School Bansital, third place Rajkumar Class 10th Shas High S... Vishwa... Harish... Parmar... Akhiles... Rajesh... Ram O... Santosh... Singh... Yadav... District... model e... ganized... District... Educati... Pendra.

भाषा शिक्षण कार्यक्रम 'मोर आखर' कार्यक्रम के तहत चार दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाल संपन्न

कलेक्टर के विशेष प्रयासों से 299 स्कूलों में पुस्तकालय स्थापित

एक सत डुबेटिन ■ गौरेला पेंड्रा मरवाही

ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को सहज-सरल तरीके से शिक्षा देने प्रारंभिक भाषा शिक्षण मोरा आखर कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जिले में भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान 5 जुलाई 2022 को किया था। यूनिसेफ और रूम टू रीड संस्था के सहयोग से चलाया जा रहे हैं इस कार्यक्रम के तहत कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के विशेष प्रयासों से जिले के 299 स्कूलों में पुस्तकालय स्थापित किया गया है। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए 21 से 24 सितम्बर तक चार दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला आयोजित किया गया। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स कार्यशाला अलग अलग तिथियों मे ब्लाइट पेण्ड्रा और परियोजना प्रशासक कार्यालय गौरेला के सभा कक्ष में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में यूनिसेफ तकनीकी सहयोग कर रहा है। कार्यशाला में यूनिसेफ एवं रूम टू रीड संस्था के शिक्षा विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स गौरेला एवम पेण्ड्रा के प्राथमिक शाला के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगें।

सिटी हाइपर एंकर

दिव्यांग छात्र-छात्राओं का उपकरण आंकलन शिविर आयोजित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

भाटापारा. कलेक्टर रजत बंसल के निर्देश में जिले के अन्तर्गत भाटापारा, सिमगा, बिलाईगढ़, कसडोल, बलौदाबाजार एवं पलारी में समग्र शिक्षा के अन्तर्गत प्राथमिक शाला से हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं का उपकरण आंकलन शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बिलाईगढ़ में 49 बच्चों और 102 पालक, कसडोल में 65 बच्चों एवं 65 पालक, बलौदाबाजार में 21 बच्चों एवं 21 पालक, पलारी में 30 हुए। उक्त कार्यक्रम में कुल 230 बच्चों शामिल हुए, जिनका विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच की गई। शिविर में जिला चिकित्सालय के डॉ वसीम रोग विशेषज्ञ, डॉ सुरभा माहेश्वरी नेत्र रोग विशेषज्ञ सहित अन्य डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं प्रदान की। कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक आर सौमेश्वर राव, एडीसी मनोहर लाल साहू, मनहरण लाल साहू, जहीर अब्बास के अलावा सभी विकासखण्ड के विकासखण्ड स्रोत समन्वयक नेतराम राते बिलाईगढ़, लेखराम साहू भाटापारा, बलौदाबाजार से तिवारी, पलारी से ऋतु जोशी, सिमगा से समता पाटकर, कसडोल से श्रीराम नंगरिया, आईईडी, सीआरसी, लेखराम साहू, पलारी

कलेक्टर ने साफ-सफाई को लेकर जताई नाराजगी

बलौदाबाजार @ पत्रिका. कलेक्टर रजत बंसल ने शुक्रवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाग्रार में सभी नगरीय निकायों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की। इसमें सभी नगरीय निकायों में साफ-सफाई के कार्यों को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधितों को कार्य में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य, पीएम पलारी योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, राजीव युवा मितान क्लब, समुदाय योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर रेन वाटर हार्वेस्टिंग पुख बनाने के निर्देश दिए हैं। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर राजेंद्र गुप्ता, एसडीएम कालीदा बाजार बजरंग दुबे,

फोटो गैलरी

फोटो गैलरी

मार्गदर्शन

डॉ. आलोक शुक्ला
प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा

निर्देशन

डॉ. एस.भारतीदासन
सचिव स्कूल शिक्षा विभाग

संपादक

श्री राजेश सिंह राणा
संचालक
एससीईआरटी

- डॉ. योगेश शिवहरे
- प्रशांत कुमार पाण्डेय
- डॉ. एम. सुधीश
- ए. के. सोमशेखर
- डॉ. विद्यावती चंद्राकर
- डॉ, जयाभारती चंद्राकार

t.me/ptdnews

/ptdchhattisgarh

पढ़ई तुंहर दुआर

scert.del@gmail.com